श्रुति बन्द्योपाध्याय
अकादेमी पुरस्कारः मणिपुरी

SRUTI BANDOPADHAY
Akademi Award: Manipuri

कोलकाता में 8 अक्टूबर 1962 को जन्मी, श्रीमती श्रुति बन्द्योपाध्याय ने बिपिन सिंह, कलावती देवी, दर्शना झवेरी, बाबू सिंह और गौरकिशोर शर्मा जैसे गुरुओं से मणिपुरी नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपने रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय से पीएचडी की डिग्री हासिल की है और संगीत भवन, विश्वभारती से डी. लिट. की उपाधि अर्जित की है। आपको नृत्य में उन्नत अध्ययन के लिए फुलब्राइट फैलोशिप और कॉमनवेल्थ फैलोशिप भी मिल चुकी है।

आपने देश–विदेश में आयोजित होने वाले प्रमुख नृत्य समारोहों में प्रस्तुतियाँ दी है। आपने कई नृत्य प्रस्तुतियों को कोरियोग्राफ किया है जिन्हें मीडिया और दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया है। आपने भारत के साथ ही अमेरिका, इंग्लैंड, सोवियत संघ और फ्रांस में भी विभिन्न प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थाओं के लिए व्याख्यान–प्रदर्शन और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। गीत गोविन्दम, भरत तीर्थ, एलो–प्रकाश के दर्शन पर आधारित प्रस्तुति सहित अन्यान्य नृत्य कोरियोग्राफियाँ हैं, जिन्हें आपने तैयार किया है। वर्तमान में आप विश्वभारती, शांतिनिकेतन में मणिपुरी नृत्य की प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। आपको क्रमशः अमेरिका और इंग्लैंड में भारतीय नृत्य पर व्याख्यान देने और प्रदर्शन करने के लिए अकादमिक स्टाफ कॉमनवेल्थ फैलोशिप (2012) से सम्मानित किया गया है।

श्री ललित कला अकादमी, मैसूर द्वारा दिए गए ललिता कला रत्न (2009) और देवदासी नृत्य मंदिर, भुवनेश्वर द्वारा दिए गए देवदासी राष्ट्रीय सम्मान (2018) सहित आपको कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

श्रीमती श्रुति बन्द्योपाध्याय को मणिपुरी नृत्य में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 8 October 1962 in Kolkata, Shrimati Sruti Bandopadhyay received her training in Manipuri dance under various Gurus like Bipin Singh, Kalavati Devi, Darshana Jhaveri, Babu Singh and Gourakisor Sharma. She holds a PhD degree from Rabindra Bharati University and D.Litt. from the Sangeet Bhavana, Visva-Bharati. She is also a recipient of the Fulbright Fellowship and the Commonwealth Fellowship for her advanced studies in dance.

She has performed in major dance festivals in India and abroad. She has choreographed several dance productions that are highly acclaimed by the press and the public. She has conducted lecture-demonstrations and workshops at various prestigious fora in India and abroad like U.S.A., U.K., USSR and France. She has various dance choreographies to her credit including *Gita Govindam*, *Bharat Tirtha*, *Alo* - a production on the philosophy of Light, among others. She is at present engaged as a Professor in Manipuri Dance at Visva-Bharati, Shantiniketan. She has been awarded with the Academic Staff Commonwealth Fellowship (2012) to lecture and perform on Indian dance in the U.S.A. and U.K.

She is a recipient of several honours including the Lalita Kala Ratna by Sri Lalit Kala Academy, Mysore (2009), and the Devadasi Rashtriya Samman by Devdasi Nrutya Mandir, Bhubaneswar (2018).

Shrimati Sruti Bandopadhyay receives the Sangeet Natak Akademi Award for her contribution to Manipuri dance for the year 2020.